Synergy

BSES Rajdhani Power Ltd
Yamuna Power Ltd

...a joint venture with GONCTD

मई–जून 2009

प्रिय उपभोक्ता,

अभिवादन।

हमें आपको यह बताते हुए काफी खुशी हो रही है कि 2008–09 के दौरान, आपकी कंपनी ने कुल तकनीकी व वाणिज्यिक (एटीएंडसी) घाटे में सफलतापूर्वक काफी कमी की है। बीआरपीएल में, 2002–03 में शुरूआती एटीएंडसी घाटा था 51 प्रतिशत। यह घटकर, 2008–09 में 20 प्रतिशत रह गया है। बीवाईपीएल में एटीएंडसी घाटा था 63 प्रतिशत, जो कि अब घटकर 23 प्रतिशत रह गया है।

	बीआरपीएल	बीवाईपीएल
एटीएंडसी घाटे का शुरूआती स्तर (2002)	51%	63%
2007–08 के आखिर में एटीएंडसी घाटे का स्तर	27.17%	29.80%
2008–09 के आखिर में एटीएंडसी घाटे का स्तर	20% (अस्थायी)	23% (अस्थायी)
वित्त वर्ष 2008–09 के दौरान एटीएंडसी घाटे में कमी	7% (लगभग)	6% (लगभग)
निजीकरण के बाद से अब तक, एटीएंडसी घाटे में आई कमी	31%	40%

हम जल्द ही आपके लिए डोर स्टेप सर्विस शुरू करने जा रहे हैं। यह एक ऐसी पहल है, जिसके तहत आपके नये कनेक्शन, लोड बढ़ाने, लोड घटाने, श्रेणी बदलवाने आदि संबंधी जरूरतों की पूर्ति, आपके घर पर ही हो जाएगी।

इन गर्मियों में, हम आपको निर्बाध, विश्वसनीय और गुणवत्तायुक्त बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और इसके लिए आप की कंपनी ने सभी आवश्यक इंतजाम किए हैं।

भवदीय,

अरूण कंचन

सीईओ

आपकी सुरक्षा आपके हाथ

कई लोग जानबूझकर या अनजाने में भवनों, ढांचों, प्रोजेक्शंस, बालकनियों, छज्जों और चारदीवारियों के अवैध निर्माण और उनके एक्सटेंशन में लगे हैं। यह खतरनाक है और बिजली का करंट लग सकता है।

आपकी सुरक्षा के लिए, हम आप सभी से अपील करते हैं कि निर्माण या एक्सटेंशन के वक्त बिजली के तारों व अन्य इंस्टॉलेशंस से 1.2 मीटर से 3.7 मीटर की न्यूनमत दूरी (तार या इंस्टालेशंस के प्रकार पर निर्भर) बनाए रखें। हाई वोल्टेज (एचवी) और एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) के बिल्कुल नीचे व एकदम निकट किसी भी तरह का निर्माण या एक्सटेंशन, भारतीय बिजली नियम– 1956 के नियम 79 व 80, तथा भारतीय बिजली कानून 2003 (धारा 53 व 68 (5) धारा 161 के साथ पढ़ा जाए) का उल्लंघन है।

ऐसे अवैध निर्माणों के मालिकों से बीएसईएस अपील करती है कि तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए।

जिंदगी कीमती है, अपना खयाल रखें।

हम सुन रहे हैं... डायल कीजिए
बीआरपीएल– 39999707, बीवाईपीएल– 39999808

मिलिए बीआरपीएल के नए सीजीआरएफ चेयरमैन हरीश चावला से

मिलिए बीआरपीएल के नए सीजीआरएफ चेयरमैन श्री हरीश चावला से। अगर आप दक्षिण और पश्चिम दिल्ली में रहते हैं, तो बीआरपीएल की शिकायत निवारण व्यवस्था के बाहर, श्री चावला आप के पहले संपर्क केंद्र हैं।

दोस्ताना व्यवहार वाले 62 वर्षीय श्री चावला के पास बिजली क्षेत्र में काम करने का 38 सालों का अनुभव है। उन्होंने 1971 में पंजाब राज्य विद्युत बोर्ड से अपने करियर की शुरूआत की थी और कई बड़ी संस्थाओं से जुड़े रहे। विदेशों में काम करने का अनुभव भी वह रखते हैं।

उन्होंने पटियाला के थापर इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई की, फिर दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में दाखिला लिया, दिल्ली यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की और टेलीकॉम व मार्केटिंग के क्षेत्र में भी शिक्षा ग्रहण की।

बिजली वितरण कंपनी और उसके उपभोक्ताओं के बीच विवादों के निपटारे के बारे में श्री चावला कहते हैं," मैं चाहता हूं कि फैसले ऐसे हों, जिनमें दोनों पक्षों को यह महसूस हो कि न्याय हुआ है।" श्री चावला का कहना है कि आम लोगों को सीजीआरएफ के बारे में और जागरूक किया जाना चाहिए। उपभोक्ताओं को यह पता होना चाहिए कि उन की पहुंच एक ऐसी संस्था तक है, जो उनकी बात को सुनती है और समस्याओं का समाधान करती है।

श्री चावला कहते हैं, "मैं चाहता हूं कि बिजली उपभोक्ता हमारे पास स्वेच्छा से आएं और संतुष्ट हो कर जाएं।" साथ ही उन्होंने उपभोक्ताओं से यह भी अपील कि वे कानूनी तरीके से और ईमानदारी से बिजली का उपयोग करें। उन्होंने दिल्ली में बिजली सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि अभी और भी दूरी तय करनी है।

लेकिन श्री चावला के दरवाजे पर दस्तक देने से पहले कृपया याद रखें कि आप पहले अपनी समस्याएं बीआरपीएल द्वारा गठित शिकायत निवारण संस्थाओं के पास ले जाएं। बीआरपीएल के उपभोक्ता श्री हरीश चावला से इस पते पर संपर्क कर सकते हैं:

सीजीआरएफ– बीआरपीएल, सब स्टेशन बिल्डिंग, सेक्टर 5, पुष्प विहार, नई दिल्ली– 110 017। फोन: 32978194/ 95, फैक्स: 29564400। ईमेल: cgrfbrpl@rediffmail.com

बीआरपीएल फिर सम्मानित

80 बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों के बीच मुकाबला था और वहां बीआरपीएल टॉपर बन कर उभरी। "प्राइवेट सर्विस सेक्टर–लार्ज" श्रेणी में आईसीडब्ल्यूएआई का छठा "नैशनल अवॉर्ड फॉर एक्सिलेंस इन कॉस्ट मैनेजमेंट–2008" बीआरपीएल को दिया गया।

16 मार्च, 2009 को विज्ञान भवन में आयोजित एक शानदार समारोह में कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय में सचिव श्री अनुराग गोयल ने बीएसईएस के मुख्य वित्त अधिकारी अमल सिन्हा और सीनियर मैनेजर अमरजीत सिंह को यह पुरस्कार प्रदान किया।